PRINT

देशबंधु

Regional News Paper	Edition : Narmadapuram (Madhya Pradesh)	Circulation: 25000
दिनांक (Dated): 23.09.2025	पृष्ठ सं .(Page No.) -	क्रम सं .(Serial No.) 14

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने संभाला सुरक्षा का जिम्मा

जेवर में 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन, पहले चरण में 10 शहरों से होगी कनेक्टिविटी

ग्रेटर नोएडा, 22 सितम्बर (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सोमवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईएटीए कोडरू डीएक्सएन) की सुरक्षा की कमान औपचारिक रूप से संभाल ली। इसके साथ ही डीएक्सएन देश का 70वां एयरपोर्ट बन गया है, जिसे सीआईएसएफ की सुरक्षा छत्रछाया में लाया गया है। 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन से पहले यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

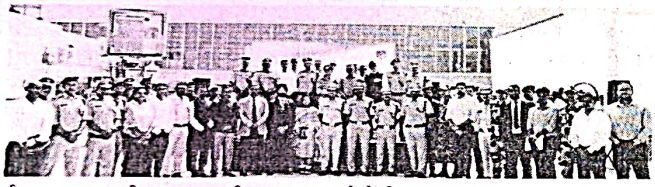

120 जवानों की पहली तैनाती, 1,047 तक होगी संख्या

एयरपोर्ट के पहले दिन 120 सीआईएसएफ जवान महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तैनात किए गए। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एनआईएएल) के अधिकारियों के अनुसार, पहले चरण में 1,047 कर्मियों की तैनाती होगी, जिनका नेतृत्व चीफ एरोड्रोम सिक्योरिटी ऑफिसर (सीएएसओ) करेंगे। यात्रियों की संख्या और उड़ानों के आधार पर कर्मियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। सीआईएसएफ की एयरपोर्ट सेक्टर (एपीएस) और एविएशन सिक्योरिटी ग्रुप (एएसजी) इकाइयां परिधि और पहुंच नियंत्रण, यात्री और सामान की जांच, टर्मिनल और लैंडसाइड सुरक्षा, त्वरित प्रतिक्रिया दलों (क्यूआरटी) की तैनाती और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय का काम देखेंगी।

सुरक्षा के साथ सौजन्य हमारा मंत्र

सीआईएसएफ के विशेष महानिदेशक (एयरपोर्ट्स) प्रवीर रंजन ने उद्घाटन समारोह में टर्मिनल और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा की जिम्मेदारी मिलने पर गर्व है। हमारी एविएशन सिक्योरिटी ग्रुप वैश्विक स्तर की प्रक्रियाओं और बहुस्तरीय सुरक्षा उपायों को लागू करेगी ताकि यात्रियों, चालक दल और महत्वपूर्ण संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

उपमहानिरीक्षक (एयरपोर्ट) विनय कजला ने कहा कि हमारा मंत्र है सौजन्य के साथ मुस्कान। यह एयरपोर्ट भविष्य में भारत के प्रमुख हवाई अड्डों में से एक होगा। नवरात्रि के पहले दिन हमें यहां तैनात होने का सौभाग्य मिला।

भारत का पहला नेट-जीरो उत्सर्जन एयरपोर्ट

सीआईएसएफ ने अपने आधिकारिक एक्स बयान में डीएक्सएन को भारत का पहला नेट-जीरो उत्सर्जन एयरपोर्ट बताया, जो अंततः प्रति वर्ष 7 करोड़ यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। बयान में कहा गया, डीएक्सएन की सुरक्षा की जिम्मेदारी के साथ, सीआईएसएफ भारत को वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में उभारने में अपनी भूमिका को मजबूत करता है।

सुरक्षा और विश्वस्तरीय अनुभव हमारा लक्ष्य

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की मुख्य परिचालन अधिकारी किरण जैन ने सीआईएसएफ की तैनाती को परिचालन तैयारियों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा हमारे उस विजन का केंद्र है, जिसमें सुरक्षित, सुगम और विश्वस्तरीय यात्री अनुभव प्रदान करना शामिल है। सीआईएसएफ के साथ साझेदारी कर हमें गर्व है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने पिछले सप्ताह पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री 30 अक्टूबर को एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के 45 दिनों के भीतर वाणिज्यिक उड़ानें शुरू हो जाएंगी। पहले चरण में जेवर को मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता सहित कम से कम 10 शहरों से जोड़ा जाएगा।

तकनीकी और पर्यावरणीय डिजाइन पर जोर

एयरपोर्ट की हवाईपट्टी के लिए नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने 15 सितंबर को सुरक्षा मंजूरी दे दी थी। अब डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) से एरोड्रोम लाइसेंस का इंतजार है। पहले चरण में 27 विमानों के लिए पार्किंग और 13 बोर्डिंग गेट होंगे, जिनमें 10 पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज और तीन बस गेट होंगे। इस दौरान यीडा एवं नियाल सीईओ राकेश कुमार सिंह, नियाल के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया समेत अन्य अधिकारी मौजूद भी मौजूद थे।